

ऑपरेशन गंगा

प्रलम्बिस के लयि:

भारत का इवैक्यूएशनऑपरेशन/नकिसीअभयान ।

मेन्स के लयि:

यूक्रेन-रूस संघर्ष तथा यूक्रेन और रूस में भारत के हति, भारत पर संघर्ष के नहितारथ ।

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में भारत सरकार ने 'ऑपरेशन गंगा' (Operation Ganga) नाम से एक 'बहु-आयामी' पहल शुरू की है ।

- यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षति नकिलने में सहायता हेतु एक समर्पति ट्विटर हैंडल 'ओपगंगा हेल्पलाइन' (OpGanga Helpline) की भी घोषणा की गई है ।
- रूसी सेना द्वारा हाल ही में हमलों का सलिसला शुरू करने के बाद यूक्रेन में युद्ध छड़िने के साथ ही रूस और यूक्रेन के बीच वर्तमान में तनाव और बढ़ गया है ।



ऑपरेशन गंगा:

- यह उन सभी भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लयि एक नकिसी मशिन है जो वर्तमान में यूक्रेन में फंसे हुए हैं ।
 - यूक्रेन में छात्रों समेत करीब 20,000 भारतीय फंसे थे ।
 - अब तक एयर इंडिया की तीन उड़ानों द्वारा यूक्रेन से 900 से अधिक भारतीयों को सुरक्षति भारत वापस लाया जा चुका है ।

- भारतीय नक़ासी उडानें रोडानया और हंगरी जैसे पडोसी देशों से संचालति हो रही हैं ।
- भारत सरकार द्वारा रोडानया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया की सीडानों में फँसे भारतीयों को नक़ालने की सुवधि भी प्रदान की जा रही है ।

भारत द्वारा चलाए गए नक़ासी अभयान:

- **ऑपरेशन गंगा (2022):**
 - यह वर्तडान में यूक्रेन में फँसे सभी भारतीय नागरकों को वापस लाने के लयि एक नक़ासी डशिन है ।
 - हाल ही में रूसी सेना द्वारा हडलों की एक शृंखला शुरू करने के बाद तथा यूक्रेन में युद्ध छडिने के साथ ही वर्तडान में रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ गया है ।
- **वंदे भारत (2020):**
 - कोरोनावायरस के कारण वैश्वकि यात्रा पर प्रतबिंध होने से वदिश में फंसे भारतीय नागरकों को वापस लाने हेतु 'वंदे भारत डशिन' चलाया गया है ।
 - इस डशिन के तहत कई चरणों में 30 अप्रैल, 2021 तक लगडग 60 लाख भारतीयों को वापस लाया गया ।
- **ऑपरेशन समुद्र सेतु (2020):**
 - यह कोवडि-19 डहामारी के दौरान भारतीय नागरकों को वदिशों से घर वापस लाने के राष्ट्रयि प्रयास के हसिसे के रूप में एक नौसैनकि अभयान था ।
 - इसके तहत 3,992 भारतीय नागरकों को समुद्र के रासते उनकी डतृडूमि में सफलतापूर्वक वापस लाया गया ।
 - भारतीय नौसेना के जहाज़ जलाशव (लैंडगि प्लेटफॉरड डॉक), ऐरावत, शार्दुल तथा डगर (लैंडगि शपि टैंक) ने इस ऑपरेशन में डग लया, जो 55 डनों तक चला और इसमें समुद्र द्वारा 23,000 कर्मि. से अधकि की यात्रा शामिल थी ।
- **ब्रसेल्स से नक़ासी (2016):**
 - डार्च 2016 में डेलजयिड जेवेंटेड में ब्रसेल्स हवाई अड्डे पर तथा डध्य बुरुसेल्स में डालडीक डेट्रो स्टेशन पर एक आतंकवाडी हडले की चपेट में आ गया था ।
 - इसके तहत जेट एयरवेज की फ्लाइट से 28 करू डेंबर्स समेत कुल 242 भारतीयों को भारत लाया गया ।
- **ऑपरेशन राहत (2015):**
 - वर्ष 2015 के डडन संकट के दौरान भारतीय सशस्त्र डल द्वारा शुरू कयि गए ऑपरेशन राहत के अंतरगत डडन से 41 देशों के 960 वदिशी नागरकों के साथ 4640 से अधकि भारतीय नागरकों को नक़ाला गया था ।
 - यह अभयान वायु डार्ग और समुद्र डार्ग दोनों से संचालति कयि गया था ।
- **ऑपरेशन डैत्री (2015):**
 - वर्ष 2015 में डेडाल में आए डूकंप में डचाव और राहत अभयान के रूप में ऑपरेशन डैत्री का संचालन भारत सरकार और भारतीय सशस्त्र डलों द्वारा कयि गया था ।
 - भारतीय सशस्त्र डलों ने लगडग 5,188 लोगों को नक़ाला था, डबकललगडग 785 वदिशी पर्यटकों को डारगडन वीजा प्रदान कयि गया था ।
- **ऑपरेशन सुरकषति घर वापसी (2011):**
 - इसे भारत सरकार ने 26 फरवरी, 2011 को लीडयिड गृहयुद्ध में फँसे भारतीय नागरकों की सुरकषति वापसी के लयि शुरू कयि था ।
 - इस ऑपरेशन में लगडग 15,000 नागरकों को डचाया गया था ।
 - इसमें भारतीय नौसेना और एयर इंडया द्वारा वायु डार्ग और समुद्र डार्ग दोनों का डडयोग कयि गया था ।
- **ऑपरेशन सुकून (2006):**
 - जुलाई 2006 में जैसे ही इज़रायल और लेडनान में सैन्य संघर्ष में शुरू हुआ, भारत ने ऑपरेशन सुकून शुरू करके अपने वहाँ फँसे हुए नागरकों को डचाया, जसि अब 'डेरूत सीलफिट' के डान से जाना जाता है ।
 - यह 'डनकरक' नक़ासी के डद से सबसे डडा नौसैनकि डचाव अभयान था ।
 - टास्क फोर्स ने 19 जुलाई और 1 अगस्त, 2006 के बीच कुछ डेडाली और श्रीलंकाई नागरकों सहति लगडग 2,280 लोगों को नक़ाला था ।
- **कुवैत एयरलफिट (1990):**
 - वर्ष 1990 में डब 700 टैंकों से लैस 1,00,000 इराकी सैनकों ने कुवैत पर हडला कयि, तड शाही और अतविशिषिट वयक़त सऊडी अरड डग गए थे ।
 - वही आम जनता के डीवन को डोखडि में डाला दयि गया ।
 - कुवैत में फँसे लोगों में 1,70,000 से अधकि भारतीय थे ।
 - भारत ने नक़ासी अभयान शुरू कयि, जसिमें 1,70,000 से अधकि भारतीयों को एयरलफिट कयि गया और भारत वापस लाया गया ।

स्रोत: द हद्वि